SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

i|:"k ,o efgyk cMfeUVu f[kykfM;k e fo|eku vkRefo'okl dk r|yukRed v/;;u

v#.k dekj uk;d] (Ph.D.), क्रीड़ा अधिकारी
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय, अजिरमा, अंबिकापुर, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Corresponding Author
v#.k dekj uk;d] (Ph.D.), क्रीड़ा अधिकारी,
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय, अजिरमा,
अंबिकापुर, छत्तीसगढ़, भारत

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 26/08/2022
Revised on : -----
Accepted on : 02/09/2022
Plagiarism : 06% on 26/08/2022

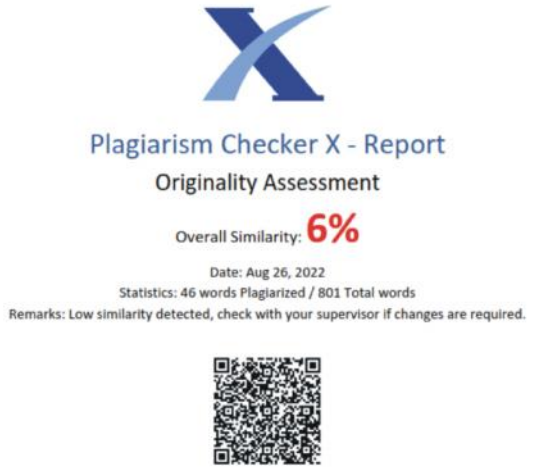

'kks/k lkj

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य बैडमिन्टन खिलाड़ियों मे विद्यमान आत्म विश्वास का तुलनात्मक अध्ययन लिंग के आधार पर करना है। उपरोक्त अध्ययन के लिए पूर्वी अंतर विश्वविद्यालयीन बैडमिन्टन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 25 पुरूष बैडमिन्टन खिलाड़ियों (औसत आयु 23.18) तथा 25 महिला बैडमिन्टन खिलाड़ियों (औसत आयु 23.18) का चयन किया गया। चयनित न्यादर्श के आत्मविश्वास का मूल्यांकन पाण्डेय (1983) द्वारा लिर्मित प्रश्नावली द्वारा किया गया। अध्ययन से प्राप्त परिणामों के अनुसार अंतर विश्वद्यालयीन महिला एवं पुरूष बैडमिन्टन खिलाड़ियों के आत्म विश्वास में सार्थक भिन्नता नहीं पायी गयी। प्राप्त परिणमों से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि लिंग के आधार पर विश्वविद्यालयीन बैडमिन्टन खिलाड़ियों के आत्म विश्वास में सार्थक भिन्नता नहीं है।

e[; 'kCn

cMfeUVu] f[kykMh] vkRefo'okl-

çLrkouk

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार एक खिलाड़ी में उच्च स्तर पर खेल प्रदर्शन करने के लिए एकाग्रता, स्वयं की क्षमताओं पर विश्वास, नियंत्रण, एवं कार्य के प्रति वचनबद्धता का होना आवश्यक है। जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिये यह माना गया है कि जब तक व्यक्ति में सफलता के प्राप्ति में मन में संदेह न हो, वह उस कार्य को सफलतापूर्वक कर सकता है। आत्म विश्वास उस घटना का पूर्वानुमान होता है जिसमें एथलीट यह मानता है कि स्पर्धा में उसकी जीत की संभावना अधिक है। Karss (1980) के अनुसार जिन एथलीट्स में यह विचार प्रबल होता है कि स्पर्धा में उनके ही जीतने की संभावना सर्वाधिक है, ऐसे एथलीट्स में आत्मविश्वास

भी अधिक होता है। जीत के प्रति यह विश्वास खिलाड़ी के स्वयं की क्षमताओं में विश्वास, सहयोगी खिलाड़ियों की क्षमताओं पर भरोसा, संवेगात्मक तैयारी, शारीरिक क्षमता, मैच पूर्व रणनीति, शारीरिक अनुकूलता के परिणामस्वरूप भी हो सकता है।

Butt (1987), Meyers etal. (1988), Steober, J. etal (2006) ने खेल मनोविज्ञान के तहत आत्मविश्वास की खेल प्रदर्शन के संदर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका प्रतिपादित की है, किन्तु लिंग के आधार पर एक ही स्तर के खिलाड़ियों के खिलाड़ियों के आत्मविश्वास का तुलनात्मक अध्ययन नहीं किया है। अतः अध्यनकर्ता ने एक ही स्तर के बैडमिन्टन खिलाड़ियों के आत्म विश्वास में लिंग के आधार पर भिन्नता करने के उद्देश्य से यह अध्ययन किया।

ifjdYiuk

विश्वविद्यालयीन पुरूष एवं महिला बैडमिन्टन खिलाड़ियों के आत्म विश्वास में सार्थक अंतर दिखायी नहीं देगा।

v/;;u i)fr

अध्ययन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये अध्ययनकर्ता द्वारा निम्नलिखित अध्ययन पद्धति का चयन किया गयाः

U;kn"kZ

उपरोक्त अध्ययन के लिए पूर्वी अंतर विश्वविद्यालयीन बैडमिन्टन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 25 पुरूष बैडमिन्टन खिलाड़ियों (औसत आयु 23.18) तथा 25 महिला बैडमिन्टन खिलाड़ियों (औसत आयु 22.45) का चयन किया गया।

ijh{k.k fof/k

vkRefo'okl ijh{k.k i:'ukoyh% चयनित न्यादर्श के आत्मविश्वास का मूल्यांकन पाण्डेय (1983) द्वारा निर्मित प्रश्नावली द्वारा किया गया। यह प्रश्नावली सांख्यिकीय रूप से वैध एवं विश्वसनीय पायी गयी है।

ifØ;k

न्यादर्श के चयन के उपरांत उन्हें 5 –10 के समूह में लेकर प्रयोगशाला सदृश परिस्थितियों में पाण्डेय (1983) द्वारा निर्मित आत्मविश्वास परीक्षण प्रश्नावली दी गयी। प्रस्तुत अध्ययन में प्रयुक्त उपरोक्त परीक्षण पर प्राप्त उत्तरों की जांच प्रश्नावली निर्माताओं द्वारा सुझायी गयी विधि द्वारा की गयी एवं प्राप्त आंकड़ो को उनके समूहों मे अनुसार सारणीयकृत किया गया। प्राप्त परिणाम तालिका क्रमांक 1 में प्रस्तुत किये गये है।

Lkf[;dh; fo'y"k.k ,oa ifj.kke

rkfydk dzekad 1% पुरूष एवं महिला बैडमिन्टन खिलाड़ियों के आत्म विश्वास की तुलना

pj	i:"k cMfeUVu f[kykMh (N=25)		Efgyk cMfeUVu f[kykMh (N=50)	't'		lkFkdrk dk Lrj
	Men	S.D	Men	S.D	S.D	
vkRe fo"okl	23.64	6.14	22.12	4.83	0.97	NS

NS Not Significant *(Source: Primary Data)*

तालिका क्रमांक 1 में दर्शित परिणाम से स्पष्ट है कि पुरूष (M=23.64)] एवं महिला बैडमिन्टन खिलाड़ियों (M=22.12)] के आत्म विश्वास में सार्थक भिन्नता नहीं पायी गयी। प्राप्त t = 0.97 जो कि सांख्यिकीय रूप से सार्थक स्तर पर सिद्ध नहीं है, इस तथ्य की पुष्टि करता है।

प्राप्त परिणाम का आधार यह हो सकता है कि एक ही स्तर पर खेल प्रदर्शन करने के लिए पुरूष एवं महिला बैडमिन्टन खिलाड़ियों, दोनो को की मनोवैज्ञानिक एवं कौशल में परिपूर्ण होना पड़ता है तथा स्पर्धा का स्तर भी समान होता है। अतः पुरूष एवं महिला बैडमिन्टन खिलाड़ियों, के आत्म विश्वास में भिन्नता नहीं दिखायी देने में उपरोक्त कारकों की भूमिका की जांच आवश्यक है।

fu"d"k

अध्ययन से प्राप्त परिणाम निष्कर्षतः यह दर्शाते है कि विश्वविद्यालयीन पुरूष एवं महिला बैडमिन्टन खिलाड़ियों, के आत्म विश्वास सार्थक रूप से भिन्न नहीं है।

lanHkZ lwph

1. Butt D.S. (1987). Personality of the athlete. In: Butt DS, editor . The psychology of sport. New York: VNR, 95-105.
2. Mayers, M.C. Bourgeois, A.E. Leunes, A. and Murray, N.G. (1998) Mood and psychological skills of elite and subelite wquestrian athletes. Journal of Sport Behavior 22.399-409.
3. Stoeber, J., Otto, K, Eva Pescheck, Claudia Becker and Stoll, O, (2006). Perfectionism and competitive anxiety in athletes: Differentiating striving for perfection and negative reaction to impertection. Personality and Individual Differences, Volume 42, Issue 6, Pages 995-969.

****